मप्र को मिलेंगी चार नई सीधी हवाई सेवाएँ

मुख्यमंत्री मोहन यादव 9 अगस्त को भोपाल से रीवा की पहली उड़ान को दिखाएंगे हरी झंडी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 9 अगस्त को राजा भोज विमानतल पर आयोजित कार्यक्रम में मध्य प्रदेश की चार नई सीधी हवाई सेवाओं का शुभारंभ करेंगे। इनमें भोपाल-रीवा, भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता मार्ग शामिल हैं। मुख्यमंत्री भोपाल से रीवा की पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाएंगे। इन सेवाओं के शुरू होने से प्रदेश के भीतर और अन्य राज्यों के साथ हवाई संपर्क मजबूत होगा।

नई हवाई सेवाओं का संचालन एलायंस एयर द्वारा किया जाएगा। सभी मार्गों को मध्य प्रदेश नागरिक विमानन नीति के तहत वित्तीय सहायता दी जा रही है। प्रत्येक आवागमन पर राज्य शासन की ओर से 10 लाख रुपये तक की व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण सहायता दी जाएगी।

मध्य प्रदेश नागरिक विमानन नीति-2025 के तहत प्रदेश के विभिन्न शहरों को प्रमुख गंतव्यों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। नीति के तहत अब तक आठ नए हवाई मार्ग स्वीकृत किए गए हैं। इनमें चार मार्गों पर सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। रीवा-दिल्ली, रीवा-इंदौर, रीवा-रायपुर और इंदौर-अबूधाबी पहले शुरू किए गए मार्ग हैं।

भोपाल-रीवा सेवा से राजधानी और विंध्य क्षेत्र के बीच सीधा संपर्क मजबूत होगा। भोपाल-पटना उड़ान से मध्य प्रदेश और बिहार की राजधानियां सीधे जुड़ेंगी। इससे यात्रियों, व्यापारियों और कारोबारियों को सुविधा मिलेगी। रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता सेवाओं से इन शहरों का कोलकाता और पूर्वी भारत से संपर्क बेहतर होगा।

नई उड़ानों से यात्रियों के समय की बचत होगी तथा पर्यटन, व्यापार, शिक्षा और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किन्जारापु राममोहन नायडू, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल सहित विमानन क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

डॉ. यादव को दुबई निवेश बैठक का आमंत्रण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में ग्लोबल फाउंडेशन दुबई के अध्यक्ष डॉ. दाऊद अल शेजावी ने भेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री को 7 से 9 सितंबर तक दुबई में होने वाली वार्षिक निवेश बैठक कांग्रेस-2026 के 15वें संस्करण में शामिल होने का आमंत्रण दिया। आयोजन में टिकाऊ निवेश, डिजिटल परिवर्तन, आर्थिक विविधता, उभरते बाजार और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस वर्ष की विषयवस्तु वैश्विक समृद्धि को नए स्वरूप में ढालने और टिकाऊ एवं समावेशी भविष्य के लिए निवेश के नए मार्ग खोलने पर केंद्रित है। डॉ. शेजावी ने बताया कि पिछले वर्ष आयोजित वार्षिक निवेश बैठक में 180 से अधिक देशों के 15 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।मध्य प्रदेश सरकार के लिए यह आयोजन निवेश के अवसरों को वैश्विक निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत करने का मंच होगा। यहां निवेश योग्य परियोजनाओं, नीतियों और क्षेत्रीय अवसरों की जानकारी देने के साथ सरकारी और व्यावसायिक स्तर पर संवाद बढ़ाने का अवसर मिलेगा। मध्य प्रदेश विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, परिवहन एवं भंडारण, सूचना प्रौद्योगिकी, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, पर्यटन और नई तकनीकों के क्षेत्र में अपनी निवेश क्षमता प्रदर्शित कर सकेगा। आयोजन के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां विकसित करने और प्राथमिक क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने का अवसर भी मिलेगा।

हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाएँ कार्यकर्ताः खंडेलवाल

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को बैतूल जिला कार्यालय विजय भवन में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को जन-जन का अभियान बनाने और व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

खण्डेलवाल ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा राष्ट्र की एकता, अखंडता, गौरव और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि प्रत्येक बूथ के हर घर तक तिरंगा पहुंचाया जाए और समाज के सभी वर्गों को अभियान से जोड़ा जाए। उन्होंने तिरंगा यात्रा में पूर्व सैनिकों, प्रभावी व्यक्तित्वों और प्रबुद्धजनों को शामिल करने तथा उनके नेतृत्व में यात्रा आयोजित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि तिरंगा अभियान केवल घरों पर ध्वज फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों में राष्ट्र के प्रति गौरव, सम्मान और समर्पण की भावना मजबूत करने का अवसर भी है। तिरंगा यात्रा में स्कूली बच्चों की भागीदारी को देखते हुए सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक घर में तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति निष्ठा, गौरव और समर्पण की भावना व्यक्त की जाए। उन्होंने बैतूल बाजार मंडल में भी आगामी कार्यक्रमों को लेकर शक्ति केंद्र प्रभारियों और संयोजकों की बैठक ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक को प्रदेश शासन के मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, जिला प्रभारी एवं पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता तथा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक महेंद्र सिंह चौहान, चंद्रशेखर देशमुख, डॉ. योगेश पंडाग्रे, गंगाबाई उईके, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पावर जनरेटिंग कंपनी के निदेशक वाणिज्य कार्यालय को मिला आईएसओ प्रमाणन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के मुख्यालय स्थित निदेशक वाणिज्य कार्यालय को अंतरराष्ट्रीय क्वालिटी स्टैंडर्ड आईएसओ 9001:2015 का प्रमाणन प्राप्त हुआ है। कंपनी की कार्यप्रणालियों के सतत मानकीकरण और दक्षता बढ़ाने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

इस प्रमाणन के साथ अब तक कंपनी के 15 कार्यालय आईएसओ प्रमाणित हो चुके हैं। इससे पहले कंपनी के 14 कार्यालयों को आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन मिल चुका है। इनमें मुख्य अभियंता उत्पादन भंडार, संचालन-संधारण जल विद्युत, फ्यूल मैनेजमेंट, अभियांत्रिकी, प्रबंध संचालक, डायरेक्टर टेक्निकल, कार्पोरेट सर्विस, मटेरियल मैनेजमेंट, परियोजना उत्पादन, सिविल इंजीनियरिंग, मुख्य वित्तीय अधिकारी, नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण और मुख्य सुरक्षा अधिकारी कार्यालय शामिल हैं।

प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने प्रमाणन मिलने पर निदेशक वाणिज्य मिलिंद भान्दक्कर सहित कार्यालय के सभी कार्मिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कंपनी की प्रगति, परियोजनाओं के सफल संचालन और क्रियान्वयन में वाणिज्य कार्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्मिकों द्वारा उच्च स्तरीय क्वालिटी मानदंडों का पालन करते हुए कार्यशैली को बनाए रखने के कारण यह अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन प्राप्त हुआ है।

कंपनी ने कार्यप्रणालियों में गुणवत्ता, मानकीकरण और दक्षता को लगातार बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता जताई है।

भोपाल में आज निकलेगी तिरंगा यात्रा

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल तथा प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह 9 अगस्त को प्रातः 8 बजे भोपाल में तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करेंगे। भोपाल जिला भाजपा द्वारा आयोजित यह यात्रा टीटी नगर स्टेडियम से प्रारंभ होगी। यात्रा का न्यू मार्केट, रोशनपुरा सहित विभिन्न मार्गों पर भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद यात्रा पुनः टीटी नगर स्टेडियम पहुंचेगी, जहां इसका समापन होगा। यात्रा में पार्टी के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों के साथ समाज के सभी वर्गों के लोग तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे।

दो सूत्रीय मांगों को लेकर 10 अगस्त को लिपिक करेंगे प्रदर्शन

सतपुड़ा भवन के सामने प्रदेशभर के लिपिक जुटेंगे, मुख्य सचिव को सौंपेंगे ज्ञापन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ 10 अगस्त को सतपुड़ा भवन के सामने दो सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशव्यापी प्रदर्शन करेगा। संघ के प्रांताध्यक्ष मुकेश चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेश के हजारों लिपिक सुरक्षित अनुकंपा सेवा और मंत्रालय के समान वेतनमान एवं ग्रेड पे की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल होंगे।

संघ के अनुसार, सीपीसीटी के कारण सेवा से पृथक किए गए लिपिकों के मामले को लेकर मंत्रालय के सामने महाशोक सभा भी आयोजित की जाएगी। इसमें मृत कर्मचारियों के आश्रित मुंडन कराकर विरोध दर्ज कराएंगे। संघ का कहना है कि सुरक्षित अनुकंपा सेवा और समान कार्य के लिए समान वेतन लिपिकों का संवैधानिक अधिकार है।

संघ ने आरोप लगाया कि मंत्रालय, विधि-विधायी और राजभवन कार्यालय में पदस्थ लिपिकों को द्वितीय समयमान में उन्नत वेतनमान और ग्रेड पे दिया जा रहा है, जबकि समान पदों पर कार्यरत विभागाध्यक्षों के अधीनस्थ कार्यालयों के मैदानी लिपिकों को इससे वंचित रखा जा रहा है। संघ का कहना है कि इससे लिपिक संवर्ग आर्थिक नुकसान झेल रहा है और सेवानिवृत्ति के बाद कम पेंशन का भी असर पड़ रहा है।

संघ के अनुसार, मृत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति देने के बाद सेवा से पृथक करना उचित नहीं है। प्रदर्शन में प्रदेश के 55 जिलों से जिला अध्यक्ष, संभागीय अध्यक्ष, प्रांतीय पदाधिकारी और बड़ी संख्या में लिपिक शामिल होंगे। प्रदर्शन के बाद मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपकर दोनों मांगों पर कार्रवाई की मांग की जाएगी।

साइबर पुलिसिंग के नवाचार को राष्ट्रीय सम्मान, उप निरीक्षक भरतलाल प्रजापति सम्मानित

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मप्र पुलिस की साइबर पुलिसिंग में किए जा रहे नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। भोपाल साइबर क्राइम में पदस्थ उप निरीक्षक भरतलाल प्रजापति को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित फ्यूचर क्राइम समिट 2026 में 'एफसीआरएफ एक्सीलेंस अवार्ड 2026-एक्सीलेंस इन साइबर पुलिसिंग' से सम्मानित किया गया।

6 और 7 अगस्त को आयोजित समिट में फ्यूचर क्राइम रिसर्च फाउंडेशन की ओर से यह सम्मान श्री प्रजापति को 'इन्वेस्टिगेशन कैंप' के विकास तथा साइबर पुलिसिंग और डिजिटल इन्वेस्टिगेशन में तकनीक के प्रभावी उपयोग के लिए प्रदान किया गया। इन्वेस्टिगेशन कैंप का उद्देश्य साइबर अपराधों की जांच के दौरान सामने आने वाली तकनीकी चुनौतियों के व्यावहारिक और तकनीक आधारित समाधान विकसित करना है, ताकि जांच अधिकारी उनका जमीनी स्तर पर आसानी से उपयोग कर सकें। मध्यप्रदेश पुलिस साइबर अपराधों की रोकथाम, जनजागरूकता, त्वरित रिपोर्टिंग और तकनीकी जांच के स्तर पर लगातार काम कर रही है। वर्ष 2025 में 'सेफ क्लिक' अभियान के बाद 2026 में 'सेफ क्लिक 2.0' के माध्यम से नागरिकों, विद्यार्थियों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साइबर अपराधों की शिकायत को सुगम बनाने के लिए ई-जीरो एफआईआर जैसी पहल भी शुरू की गई है।

धोखाधड़ी के आरोपी महेन्द्र गोयनका को 1.70 लाख मैट्रिक टन आयरन विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी नहीं दी कोई रियायत

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः सुप्रीम कोर्ट ने जिओमिन इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और यूरो प्रतीक के बीच चल रहे विवाद को लेकर बड़ा फ़ैसला देते हुए महेंद्र गोयनका का केस किया डिसमिस, कोर्ट ने कहा है कि जब तक कमर्शियल कोर्ट इस आवेदन पर अंतिम निर्णय नहीं लेती है तब तक मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा लगाया गया अंतरिम प्रतिबंध जारी रहेगा।

मध्यस्थता रही विफल

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पी एस नरसिम्हा एव जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने यह निर्णय विधान अधिवक्ता बलवीर सिंह एव अधिवक्ता शर्मिला इराम फातिमा द्वारा की गईं बहस के बाद दिया। कोर्ट ने कमर्शियल कोर्ट को सीपीसी के आदेश 39 के नियम एक और दो के तहत लंबित आवेदन पर दो माह के भीतर फ़ैसला सुनाने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 7 अगस्त के अपने आदेश के बाद जबलपुर की कमर्शियल कोर्ट को 2 माह में जियोमिन इंडस्ट्रीज द्वारा यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया से 1 लाख 70 हजार टन आयरन ओर खरीदी (परचेज़ एग्रीमेंट)के बाद की गई धोखाधड़ी जिसमें खरीदी अनुबंध के बाद आयरन ओर न सप्लाई करने और अनुबंध का पालन न करने पर कोर्ट में दायर वाद पर फैसला करने के आदेश दिए गए हैं।

महेंद्र गोयनका ने पिछले तीन सालों में हर स्तर पर की धोखाधड़ी और रची साजिश

जानकारी के अनुसार मेसर्स जियोमिन इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने जबलपुर के डिस्ट्रिक्ट जज कमर्शियल कोर्ट में मेसर्स यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से 1लाख 70 हजार टन आयरन ओर सेल और परचेज़ एग्रीमेंट करने के आधार पर खरीदा गया आयरन ओर प्राप्त करने के लिए कमर्शियल सूट फाइल किया है वर्तमान में यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया का प्राइमरी शेयर होल्डर रायपुर निवासी महेंद्र गोयनका बना हुआ है ।

यहां यह जानना जरूरी है कि यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को लेकर कई मामले पिछले दिनों और सालों में सुर्खियों में रहे हैं जिसमें महेन्द्र गोयनका के सहयोगी 3 डायरेक्टर्स हिमांशु श्रीवास्तव, सन्मति जैन और सुनील अग्रवाल एवं अन्य सहयोगी के विरुद्ध भी कटनी के कोतवाली और माधवनगर थाने में दो अलग-अलग प्रकरण 420/120क्ष467/468/471 की प्राथमिकी दर्ज हैं और गोयंका के तीनो डायरेक्टर की अग्रिम जमानत मान? सुप्रीम कोर्ट से भी खारिज होने के बाद भी पिछले दो साल से तीनो डायरेक्टर फरार हैं जिन्हें कटनी पुलिस आज तक गिरफ्तार नहीं कर पायी है। जाली दस्तावेजों और फर्जी हस्ताक्षरों के जरिए यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, यूरो पैलेट कंपनी समेत कई कंपनियों पर अवैध नियंत्रण हासिल करने को लेकर मामला है

इसी तरह कोलकत्ता में भी महेंद्र गोयनका पर हजारों करोड़ रुपये के कथित वित्तीय अनियमितताओं और कंपनी के बिके हुए माल को छल-कपट करके बेचने से जुड़े मामले सहित फ़र्ज़ी तरीक़े से कंपनी के शेयर अपने और परिवार के नाम करवाने को लेकर भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 120बी 467/468/471 सहित अन्य धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी इस मामले में कोलकत्ता पुलिस ने ने जुलाई में दो वर्षों से फरार चल रहे रायपुर निवासी महेंद्र गोयनका को गिरफ्तार करते हुए दो बार 14 दिनों तक रिमांड में लेते हुए मामले में गहन जांच की है।

विदित हो कि पिछले साल ज्योमिन कंपनी को बिके हुए इसी आयरन ओर को महेंद्र गोयंका ने जबलपुर के एक पुलिस अधिकारी और एक प्रशासनिक अधिकारी की मदद से किसी तीसरी कंपनी को बेच दिया था तभी से जियोमिन ष्प्. ने गोयंका के ऊपर केस कर रखा था जिसमे आज निर्णय आया है।

एम्स भोपाल को मिला नया कार्यकारी निदेशक, नरेंद्र कोटवाल संभालेंगे कमान

नप्र, भोपाल : अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल को स्थायी नेतृत्व मिलने जा रहा है। केंद्र सरकार की मंत्रिमंडल नियुक्ति समिति ने सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल नरेंद्र कोटवाल को एम्स भोपाल का कार्यकारी निदेशक नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार नियुक्ति अनुबंध के आधार पर तीन वर्ष के लिए की गई है। श्री कोटवाल का कार्यकाल कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी होगा। हालांकि, वे 70 वर्ष की आयु पूरी होने या केंद्र सरकार के अगले आदेश, जो पहले हो, तक ही पद पर रहेंगे। उन्हें वेतन मैट्रिक्स के स्तर-15 के अनुसार नियुक्त किया गया है।

श्री कोटवाल चिकित्सा क्षेत्र और सैन्य चिकित्सा प्रशासन में लंबा अनुभव रखते हैं। वे पुणे स्थित सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय के निदेशक एवं कमांडेंट रह चुके हैं। वर्तमान में वे पंचकूला स्थित पारस हेल्थ में अंतःस्रावी विज्ञान विभाग के निदेशक हैं। एम्स भोपाल में अब तक कार्यकारी निदेशक का अतिरिक्त प्रभार एम्स दरभंगा के कार्यकारी निदेशक डॉ. माधवानंद के पास था। नए कार्यकारी निदेशक की नियुक्ति के बाद संस्थान को नियमित प्रशासनिक प्रमुख मिलेगा।

मध्य प्रदेश में बैटरी और पंप भंडारण से होगी बिजली संरक्षित

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मप्र में आने वाले वर्षों में बिजली भंडारण की भूमिका बढ़ने वाली है। मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने नवीकरणीय ऊर्जा के साथ बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली और पंप भंडारण संयंत्र को बढ़ावा देने के लिए नियमों में संशोधन किया है। नए प्रावधान के अनुसार ऊर्जा भंडारण प्रणाली में सालाना संरक्षित की जाने वाली कुल ऊर्जा का कम से कम 85 प्रतिशत हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त करना अनिवार्य होगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य सौर और पवन ऊर्जा से बनने वाली अतिरिक्त बिजली को संरक्षित कर जरूरत के समय उपयोग करना है।

319 पदों की भर्ती आरक्षण रोस्टर में फंसी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत 319 पदों पर प्रस्तावित भर्ती परीक्षा आरक्षण रोस्टर में त्रुटि के कारण अटक गई है। कर्मचारी चयन मंडल द्वारा विज्ञापन जारी करने और परीक्षा कार्यक्रम घोषित किए जाने के बाद पंचायत राज संचालनालय ने परीक्षा निरस्त करने के लिए पत्र भेजा है। कर्मचारी चयन मंडल ने 5 अगस्त को समूह-02, उपसमूह-04 संयुक्त भर्ती परीक्षा-2026 का विज्ञापन जारी किया था। इसमें पंचायत समन्वय अधिकारी के 311, खंड पंचायत अधिकारी के पांच और संविदा डेटा एंट्री ऑपरेटर के तीन पद शामिल थे।

दो संतान नियम हटाने की प्रक्रिया फिर अटकी, मुख्यमंत्री के निर्देश बेअसर

सामान्य प्रशासन विभाग प्रस्ताव को अब तक मंत्रिमंडल में नहीं ला सका

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश में दो से अधिक संतान होने पर सरकारी नौकरी से जुड़े करीब 25 वर्ष पुराने प्रावधान को समाप्त करने की प्रक्रिया अधिकारियों के स्तर पर अटक गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बावजूद सामान्य प्रशासन विभाग अब तक प्रस्ताव मंत्रिमंडल के समक्ष नहीं रख सका है।

मंत्रालय सूत्रों के अनुसार, पूर्व मुख्य सचिव अनुराग जैन के कार्यकाल में वरिष्ठ सचिव समिति की बैठक में नियम समाप्त करने का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन समिति ने इसे मंजूरी नहीं दी। इसके चलते प्रस्ताव मंत्रिमंडल तक नहीं पहुंच सका। कर्मचारी संगठनों ने भी इस प्रावधान का लगातार विरोध किया है। मुख्यमंत्री ने करीब एक माह पहले अधिकारियों को नियम में बदलाव के निर्देश दिए थे। इससे पहले 6 जून 2026 को प्रकाशित प्रारूप में दो से अधिक संतान की पाबंदी बरकरार रखी गई थी। मुख्यमंत्री ने इस पर आपत्ति जताते हुए प्रारूप हटाकर संशोधित प्रारूप जारी करने के निर्देश दिए थे। वर्ष 2001 में लागू प्रावधान के अनुसार, 26 जनवरी 2001 या उसके बाद दो से अधिक जीवित संतान वाले उम्मीदवारों को सरकारी नौकरी की सीधी भर्ती और विभागीय नियुक्तियों के लिए अपात्र माना गया था। मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम, 1965 में भी दो से अधिक बच्चों को कदाचार की श्रेणी में रखा गया था।

आयोजन *रानी दुर्गावती चौक पर माल्यार्पण के बाद पोला ग्राउंड में होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम, आदिवासी अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा*

छिंदवाड़ा में कल विश्व आदिवासी दिवस पर बड़ा देव मंदिर से निकलेगी रैली

नईदुनिया ब्यूरो, भोपाल/छिंदवाड़ाः जिले में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने की तैयारियां अंतिम दौर में हैं। आयोजन में आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकजुटता के साथ जल, जंगल, जमीन, संवैधानिक अधिकार और आदिवासी अस्मिता से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से उठाए जाएंगे। राष्ट्रीय क्रांति मोर्चा एवं जेबीडी समूह ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 20 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना जताई है।

मुख्य आयोजन की शुरुआत खापाभाट स्थित बड़ा देव मंदिर से होगी। यहां आदिवासी समाज के लोग एकत्रित होंगे और इसके बाद रैली खजरी रोड स्थित रानी दुर्गावती चौक पहुंचेगी। यहां रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। इसके बाद जुलूस मानसरोवर कॉम्प्लेक्स होते हुए पोला ग्राउंड पहुंचेगा।

पोला ग्राउंड में आदिवासी समाज की कला, संस्कृति, लोक परंपराओं और जीवनशैली पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पारंपरिक प्रस्तुतियों के साथ शाम को संगीत कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। आयोजन देर शाम तक चलने की संभावना है।

आयोजकों के अनुसार, विश्व आदिवासी दिवस को केवल सांस्कृतिक आयोजन तक सीमित नहीं रखा जाएगा। आदिवासी भूमि, वनाधिकार कानून, पांचवीं अनुसूची, ग्रामसभा के अधिकार, विकास परियोजनाओं से विस्थापन और पुनर्वास जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया जाएगा। आयोजकों ने आदिवासी भूमि के कथित हस्तांतरण, वन क्षेत्रों में खेती करने वाले किसानों की फसलों पर कार्रवाई और विकास परियोजनाओं के कारण होने वाले विस्थापन को लेकर चिंता जताई है। प्रभावित परिवारों को नियमानुसार न्याय, उचित मुआवजा और पुनर्वास उपलब्ध कराने की मांग भी रखी जाएगी।

आयोजन में आदिवासी भूमि के अवैध या अनुचित हस्तांतरण पर रोक, भूमि अधिकारों की सुरक्षा और वनाधिकार कानून के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर रहेगा। पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों में संवैधानिक सुरक्षा और ग्रामसभा की भूमिका, विकास परियोजनाओं से प्रभावित परिवारों का पुनर्वास और मुआवजा, खेती व आजीविका से जुड़े मामलों में न्यायपूर्ण कार्रवाई तथा आदिवासी संस्कृति, भाषा और परंपराओं के संरक्षण को भी मुद्दा बनाया जाएगा।

इसके अलावा पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) कानून और ग्रामसभा के अधिकारों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जल, जंगल और जमीन पर आदिवासी समुदायों के वैधानिक अधिकारों की रक्षा की मांग भी उठाई जाएगी।

आयोजकों के अनुसार जिले के विभिन्न विकासखंडों और ग्रामीण क्षेत्रों से लोग रैलियों के माध्यम से जिला मुख्यालय पहुंचेंगे। सामाजिक संगठनों, युवाओं, महिलाओं और आदिवासी समाज से शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से आयोजन में शामिल होने की अपील की गई है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादकः डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादकः अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com